बहना चेत

सके तो चेत

महिला साक्षरता को
बढ़ावा देने हेतु
मिले-जुले गीतों का संग्रह

साइड ए भजन क्र. १

टेक-] चलो हो बेना आपण

भणवाने चालां,
भणी-लिखी ने सुखी होवां हो,
बेन्या आखरकर्मी आया है,
ने घंटी बजी है ।

चरण-१ चलो हो बेन्या,
आखरकेन्द्र पे चालां,
पट्टी पेम के साते लईलाँ हो बेन्या
आखरकर्मी आया है.
ने घंटी बाजी है । टेक ।

चरण-२ चलो हो बेन्या क ख ग घ,

समझलां
पढ़ी-लिखी ने कदी नी ठगावां हो
बेन्या आखरकर्मी आया है
ने घटी बाजी है। टेक।

चरण-३ चलो बेन्या धीरे-धीरे
समझ लां,
रोज जावां तो समझो लांगा हो
बेन्या आखरकर्मी आया है
ने घंटो बाजी है। टेक।

चरण-४ चलो हो बेन्या
नारायण भैया समझावे
वी तो अच्छी- २ बात बतावे हो
बेन्या आखरकर्मी आया है
ने घंटो बाजी है। टेक।

भजन क्र. २

साखी- बाल विवाह को मत करो,
और मत पियो पिता शराब
दर्द पराया जान लो
जिवन मत करो पिता खराब

टेर- म्हारो कर दियो रे बाल
विवाह जिन्दगानी धुल करी २

चरण- १ बाल पणा में कर दियो है
मान्डो
छोरा छोरी को बोझ ही पड़ग्यो
बाल पणा में काम नी होवे
सासुजी म्हारा नाराज होवे
म्हाने खाई पराव्या री मार

जिन्दगानी.....

चरण-२ अनपढ़ पियु यु समझावे
समझ बुझ थाने नी आवे
सासरिया से झगल्या टोपी लावे
म्हाने छबल्या माय बिठावे।
म्हारा कर दिया फेरा सात
जिन्दगानी.....

चरण-३ छेड़ो लियो बाल बखरग्या
घाघरी लुगडी उड़-उढ़ जावे
म्हारा पियुजी कुलपी मांगे
म्हारे तो समोसो भावे
म्हारा बाल पणा में लागी आग
जिन्दगानी.....

ण-४ म्हारो केणो मानो हो बेन्या
था गलती बिल्कुल मत करजो
म्हारी जिन्दगी नरक पड़ी है
था ऐसी कदी मत करजो
तम चली जाजो कलेक्टर के पास
जिन्दगानी म्हारी धुल करी

भजन क्र. ३

धुन- बन्ना रे बागा में झूला घाल्या

टेक- बहना हो भणना-लिखवा चालो
भैया हो भणवा–लिखवा चालो
भणी लिखी ने–२
सुखी बणों म्हारी बेनोली

चरण- बहना हो सांझ सवेरे भणजो
भैया हो रोज शाम के भणजो
भणी लिखी ने–२ आंखे खोलो
म्हारी बहनोली। टेक ।
बहना हो बिना भणया जागेगा
भैया हो गरीबी दूर भागेगा
जदे चैन की नींद आवेगा

म्हारी बहनोली । टेक ।
बहना हो शिक्षा की रेल चलाजो
भैया हों उमें रोज बैठवा जाजो
पट्टी पेम के २, हाथ में लीजो
म्हारी बहनोली । टेक ।
बहना हो यह गाना तुम मत समझो
धैया हो अक्षर पर ध्यान धरजो
सब घर में २ जोत जलाजो
म्हारी बहनोली । टेक ।
बहना हो भाई नारायण गावे
भैया हो हाथ जोड़कर बोले
भणवा में २, जोर लगाजो
म्हारी बहनोली । टेक ।

भजन क्र. ४

ाखी- पल्स पोलियो फैलिया
बाच्चा लेलो साथ
दवाई सब पिलावजो
जोड़ू दोनो हाथ

क्र– छोरा किसन्या केणो मान
हूं जांऊ परगाम
भूली मत जाजे
पोल्या की दवा पिलाजे
रण–१ थारो छोरी तो हुई हैं
तीन साल की है
और छोरो थारो दो दन को है

उके भी दवा पिलवाने लई ने जाजे
पोल्या..... ...
चरण-२ उना रामा के बताई दिजे
मेरे बैठी ने समझाई दिजे
उना घिस्या का छोरा के देखी
ने घबराजे पोल्या.....
चरण-३ यह अपणा देश ने ठाणी हैं
पोल्या की बिमारी मिटाणी है
इके जड़ा मूल से उखाड़ी ने फैंकी
दिजे पोल्या.. ...
चरण-४ यह विमल भाई की अरजी है
मानो तो आपकी मरजी है
गाणा का उपर ध्यान जरा धर
लिजे। पोल्या.....

भजन क्र. ५

टेक- दादा भणवा लिखवा जाजो
भाभी भणवा लिखवा जाजो
तम अनपढ़ कोई मत रीजो जी
माथा को कलक मिटाजो

चरण-१ अनपढ़ की योनि मत भुगतो
तम इदर-उदर मत भटको
कदी अंगूठों मत लगाजो जी
माथा को कलंक मिटाजो । टेक ।

चरण-२ घरे क गज पत्तर आवे,
दूसरा से जई ने वंचावे ।
घरे-घरे भटकत मत फिरजो जी,
माथा को कलंक मिटाजो । टेक ।

चरण-३ आवे लग्या है मदरसा बणवा
बीना भण्या बी जाएगा भणवा
सुदरेगा गांव हमारो जी
माथा को कलंक मिटाजो जी ।टेक

चरण-४ साक्षरता की गंगा आई
भारत को बिगड़ी बनाई ।
बहती गंगा में हाथ तम धोवो जी
माथा को कलंक मिटाजो जी ।टेक।

चरण-५ या ज्ञान की बेल अमर है,
सींचो जल तर–मंतर है ।
अक्षर दूत सुभाष समझावे जी,
माथा को कलंक मिटाजो । टेक ।

भजन क्र. ६

साखी- ओगुण कहु शराब का
ज्ञान वन्त सुन ले
मानुष से पशुवा करे
द्रव्य गाठ का दे ।

टेक- दारुड्या का साते म्हारी
कर दी सगाई रे
करदी सगाई म्हारे
छोटो सी परनाई रे
ठालो बुलो तो दारुड्यो जमाई रे
म्हारा करम फूट गया भाई रे

चरण-१ लोगा माय बैठो २
उतो घणो फाके रे

आखो घणो बोले उको
मुन्डो नाही थाके रे
उतो अपणी करे है बड़ाई रे
म्हारा करम.....

चरण-२ सोहनयो बिमार म्हारो
मोहनयो बिमार है।
थावरी ने तो खांसी होगी
भीमा ने बुखार है
ठालो बुल्लो तो नी करावे दवाई रे
म्हारा करम .. ..

चरण-३ रोज २ दाड़की
कर कर हारी रे

पैसो बचायो नी है घर में बाकि रे
पूरी कबड्डी की टीम तैयार करी रे
म्हारा करम .... ..

चरण-४ डब्बा माय मलवा सरू
घर में नही आटो रे
छोरा छोरी भूके मरग्या
घर में पड़ग्यो फाको रे
म्हारो आदमी तो पुरो कसाई रे
खेतो बाड़ी तो दारू में गंवाई रे
म्हारा करम ....

साईड बी भजन क्र. १

धुन- मारू जी की रोटी देवा
जऊं वो कोयलिया

टेक- कक्षा में भणवा चालो
वो सहेलियां
तो साते लई चालां,
अपणा छोरा और छोरियां

चरण- बगर भण्या को दुख तू कई
जाणे
मैं जाणू के म्हारो दिलड़ो यो जाणे
कैसे बांचा वो जदे आवे
कोई चिठिया। टेक।

भणी जांवगा तो सुख घणो पावां
पड़ कोई काम हिसाब खुद लगावा
करलां हिसाब ने
कदी नी ठगावां । टेक ।
देखो नई दुनिया यां कां पोची गई
शेर में लुगईवां अलेक्टर बणी गई
दो-दो पुलिस उका आगे पाछे
चाल्या । टेक ।
गई हुई उमर का पाछे मत भागो
साक्षरता मिशन का साते तम लागो
ऐसा समझावे वी नौरंगजी भैया
। टेक ।

भजन क्र. २

टेक- म्हारे भणनो-लिखनो
तो प्यारो लागे
म्हारी माय म्हारो मन
लाग्यो भणवा में

चरण-१ घर आगन म्हारे
कछु ना सुहावे हो,
हो आखरकेन्द्र तो प्यारो घणो लागे
म्हारो माय, म्हारो
मन लाग्यो भणवा में टेक।
म्हारे .....

चरण-२ जल्दी से सोणो म्हारे
नेठ नी सुहावे हो

हूं तो रोज रोज भणवाने जाऊं
म्हारी माय म्हारो
मन लाग्यो भणवा में । टेक ।
म्हारे... ....

चरण-३ भैया भी जावे
भौजाई भी जावे,
हूं तो छोटी बेना के साते-२ जाऊं
म्हारी माय, म्हारो
मन लाग्यो भणवा में । टेक ।
म्हारे .....

चरण-४ गायत्री भी जावे,
सावित्री भी जावे
हो म्हारा हिया माय उठे है हिलोर

म्हारी माय, म्हारो
मन लाग्यो भणवा में । टेक ।
म्हारे.....

चरण-५ भाई नारायण करे है अर्जी
हो उणका केणा से भणवाने जावां
म्हारी माय, म्हारो
मन लाग्यो भणवा में । टेक ।
म्हारे.....

भजन क्र. ३

साखी- शाला लागी गांव में
पढ़लो भाई बहन
अन्धकार मिट जायेगा
आयो अब अभियान

टेक- ओ ठोला गांव में शाला लागी रे
अनपढ़ लोग लुगाई
की िसमत जागी रे–२

चरण-१ साक्षरता अभियान का
ठोला गली-गली में शोर हैं
अपण भी चालां पढ़ने ठोला
म्हारा हिया में उठे हिलोर
के पढ़ने जाय ई दादा भाभी रे

अनपढ़.....

चरण-२ अपन जो जावा हाट-वजारा
कई भी हिसाब नी आवे
काम करने का ठेकादारजी
आधा पैसा खावे
अनपढ़ को या गरीबी खा गई रे
अनपढ़.....

चरण-३ पढ़ी–लिखी ने सुखी रहेगा
यो अपणो परिवार
ऊच नीच और भेदभाव की
मिट जावे दीवार
ज्ञान की नवी चांदनी छा गई रे
अनपढ़.....

भजन क्र. ४

टेक- संग की सहेल्यां भणवाने जावे
हिल–मिल पुस्तक बांचे हो राज
काली रे रंग कुड़ती वाला
हूं बी भणवा जाऊं राज

चरण-१ सब घर से सहेल्यां
भणवाने जावे
म्हारा दिलड़ा में उठे
हिलोरा हो राज
पेम–पट्टो म्हारे भी लई दो
हूं बी भणवाने जाऊं म्हारा राज
। टेक । संग की .....

चरण-२ बिना भणी

हूं दुःख घणो पाऊं
जहां जाऊं वहां ठगाऊं म्हारा राज
एक पीसा की जगह दो-दो लेवे
बिना भणी नी रूंवां राज ।टेक।
संग की .....

चरण-३ मामा मासी का
गांव पर जाऊं
हर मोटर पर चढ़ जाती हो राज
भणी लिखी ने साक्षर होऊंगी
बिना भणी नी रूंगा हो राज टेक
संग की .....

चरण-४ बिना भणी सब
बहना सुन लो

सब घर से पढ़ने जाजो हो राज
बिना भणी गोत्या खावे है
बिना भणी मत रीजो हो राज
। टेक । संग की.....

चरण-५ जिला देवास की
बहना सुण लो
बार-बार समझाऊं हो राज
भाई नारायण करे अर्जी
सब मिल ध्यान धरजो
हो राज । टेक ।

भजन क्र. ५

टेक- जरा जल्दी भणवा आओ,
म्हारा गांव वाला भाई

चरण- नाना-नानी सभी सुन लो,
सुनलो बहना भाई।
सबका लिए औसर आयो है,
चूको मती मेरे भाई। टेक।
गांव-गांव में स्कूल खुल्या,
मास्टरजी वहां भाई।
हर बच्चों का किस्मत जाग्या
जो-जो पढ़ने जाई। टेक।

सभी भाई को अक्षर ज्ञान
की जरुरत है भाई।
अपनी चिट्ठी आप ही पढ़ले
और कहीं नहीं जाई। टेक।
हर गांव का होय विकास,
शिक्षा राह जद पाई। टेक।
भाई नारायण करे अर्जी,
सुन लो सब मेरे भाई। टेक।

भजन क्र. ६

टेक- एकली मत छोड़ जो बणजारा रे
परदेश का है मामला
खोटा हो प्यारा रे ।

चरण- अपणा साहब जी ने
बंगलो बणायो बणजारा रे । १ ।
ऊपर राख्या झरोखा,
झांक्या करो प्यारा रे
अपणा साहब जी ने,
बाग लगायो बणजारा रे ।
फूला भरी छाबड़ी,

टांक्या करो प्यारा रे । २ ।
अपणा साहब जी ने,
क़लो खणायो बणजारा रे ।
गेरा– गेरा भरिया नीर,
वा न्हाया करो प्यारा रे । ३ ।
कहे कबीर धर्मदास से बणजारा रे
संत अमरापुर की पाया,
सौदागर प्यारा रे । ४ ।

निर्माण एवं प्राप्ति स्थान

एकलव्य संस्था
6, एरिना रोड़, राजाभोज
देवास 455001 म.प्र.